पुलिस महानिदेशक का नववर्ष संदेश

जम्मू-कश्मीर पुलिस के प्रिय अधिकारियों एवं जवानों,

जैसे-जैसे हम खुशी और आशा की भावनाओं के साथ नए साल की ओर बढ़ रहे हैं, हमें अपनी स्थिति का आंकलन करते हुए अपनी प्राथमिकताएं तय करने के लिए बीते साल पर विचार करने की आवश्यकता है।

प्रिय अधिकारियों और जवानों, राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता को बनाए रखना प्रत्येक भारतीय नागरिक के दिल में है। हालांकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि प्रत्येक भारतीय नागरिक इस पवित्र उद्देश्य के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिए तैयार है, लेकिन उनकी आशाऐं हमेशा देश के अन्य सुरक्षा बलों के बीच पुलिस से अधिक होती हैं।

आत्मविश्वास और गर्व की भावना के साथ, आइए हम जम्मू-कश्मीर के प्रत्येक नागरिक को आश्वस्त करें कि जम्मू-कश्मीर पुलिस भारत की संप्रभुता, अखंडता और सम्मान को बनाए रखने के लिए सबसे आगे रही है और आगे भी रहेगी। 1600 से अधिक जम्मू-कश्मीर पुलिस कर्मियों ने कर्तव्य का पालन करते हुए अपने प्राणों की आहुति देकर सर्वोच्च बलिदान दिया है। इस गोर्वशाली professional force ने जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद के चुंगल से बाहर निकालने और शांति तथा विकास को बढ़ावा देने के लिए एक सक्षम वातावरण सुनिश्चित करने के लिए उच्चत्म बलिदान दिया है। मैं उन सभी बहादुरों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जो अपने कर्तव्यों का

पालन करते समय, चाहे सक्रिय लड़ाई या मामलों की जांच, नागरिकों और संपत्तियों की रक्षा एवं सड़कों पर व्यवस्था बनाए रखते समय किसी भी खतरे से नहीं डरे। जब मातृभूमि की सेवा में जीवित रहने या शहीद होने के option की बात आई तो वे जानों को निछावर करने से नहीं हिचकिचाए। मैं इन शहीद जवानों के परिवारों के सदस्यों को भी उनके बलिदान और साहस के लिए नमन करता हूं। उस माँ और पिता को जिसने अपना बेटा खोया, जिस पत्नी ने अपना पति खोया, जिस बच्चे ने अपना पिता खोया, उस बहन से जिसने अपना भाई खोया, मैं कहूंगा कि राष्ट्र आपको नमन करता है और मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि जम्मू कश्मीर पुलिस परिवार ,सदेव आपके साथ खड़ा है।

मेरे प्रिय साथी पुलिसकर्मियों और महिला पुलिसकर्मियों, हम देश की सभी सुरक्षा बलों के बीच इकलोती पुलिस बल हैं, हमारे पास आतंकवादियों से लड़ने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की कठिन जिम्मेदारियां हैं। हम बहुत चुनौतीपूर्ण स्थिति में हैं क्योंकि हमें निर्दोष लोगों को कम से कम नुकसान पहुंचाते हुए आतंकवाद और अपराध से लड़ना है। अन्य सहभागियों के साथ कानून की सीमाओं के भीतर, नए युग के media की नज़र में, courts और quasi-judicial bodies के प्रति हमारी जवाबदेही और कानून बनाने वाली संस्थाओं और elected representatives के प्रति हमारी जवाबदेही के तहत संयुक्त राष्ट्रीय और सामाजिक लड़ाई लड़ना कठिन चुनोती है। मैं इस बात से भली-भांति परिचित हूं कि आपने और आपके परिवारों ने

अतीत में जिन गांवों, कस्बों और मौहल्लों में रहते हुए दबंगों और गुंडों, कभी-कभी 'माननीयों' की आड़ में आतंकवादी और अलगाववादी नेटवर्क की ओर से गुप्त रूप से कार्य करने वालों द्वारा कठिनाइयों का सामना किया है और आज भी अलग-अलग स्तर पर इसका सामना करना पड़ रहा है।

मैं और जम्मू कश्मीर पुलिस के senior leadership के सभी सदस्य प्रतिबद्ध हैं तथा आश्वस्त करते हैं कि हम आपको अपमानित करने के किसी भी प्रयास से लड़ने के लिए हर संभव कोशिष करेंगे, क्योंकि आप जम्मू कश्मीर पुलिस के सदस्य हैं, मैं जम्मू-कश्मीर पुलिस के हर सदस्य से आग्रह करता हूं कि हर एक सदस्य निडर, ईमानदार और निष्कलंक पड़ोसी मित्र की भूमिका निभाएगा और कानून का पालन करने वाले निर्दोष नागरिकों के लिए बिना किसी डर या पक्षपात के हमेशा उपलब्ध रहेगा। आइए याद रखें कि हम कानून के रक्षक हैं और कानून तोड़ने वाला दुशमन है। आम निर्दोष नागरिक जब पीड़ित बनकर हमारे पास आता है तो उसकी शिकायत सुनने की जिम्मेदारी किसी और की नहीं बल्कि जम्मू-कश्मीर पुलिस की ही होती है। जब निर्दोष और अपराधी के बीच और mastermind अपराधियों द्वारा मोहरे के रूप में प्रयोग किए जाने वाले अपराधियों के बीच अंतर करने की बात आती है तो जम्मू और कश्मीर पुलिस से बेहतर कोई नहीं जानता। यह केवल जम्मू-कश्मीर पुलिस के अधिकारी और जवान हैं जो जानते हैं कि वे सत्य की स्थापना और कानून को कायम रखने के मामले में सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले हैं। हमारे शत्रु तथा झूठी आलोचना

करने वालों को यह अवश्य जानना चाहिए कि हम आजीविका के रूप में पुलिसिंग करते हैं। पुलिसिंग जम्मू-कश्मीर पुलिस के सदस्यों के लिए विश्वास का विषय है।

जम्मू और कश्मीर पुलिस लगातार आतंकवादी ecosystem को उखाड़ फेंकने के लक्ष्य का पीछा कर रही है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2023 में, विभिन्न आतंकी संगठनों के शीर्ष कमांडरों सहित 55 विदेशी और 21 स्थानीय आतंकवादियों को मार गिराया गया, 89 आतंकी module और 18 आतंकी ठिकाने नष्ट कर दिए गए और 291 आतंकी suspects/associates को गिरफ्तार किया गया।

हमारे अधिकारियों और जवानों द्वारा प्रदर्शित वीरता और बलिदान को भारत सरकार और जम्मू-कश्मीर, केंद्र शासित प्रदेश की सरकार द्वारा मान्यता दी गई हैं। यह मेरे लिए गर्व की बात है कि Sgct Rohit Kumar की शहादत को Kirti Chakra और Sgct Safiullah Qadri और Constable Mudasir Ahmad Sheikh को पिछले वर्ष Shaurya Chakra से सम्मानित किया गया। हमारे जम्मू कश्मीर पुलिस के 80 पुलिस कर्मियों को भारत के राष्ट्रपति द्वारा Gallantry Medal से सम्मानित किया गया। माननीय Lieutenant Governor द्वारा जम्मू-कश्मीर सरकार की ओर से 242 अधिकारियों और जवानों को Gallantry Medal से सम्मानित किया गया।

इस गौरवशाली बल के प्रिय अधिकारियों तथा पुलिसकर्मियों को माननीय प्रधान मंत्री द्वारा 'नया कश्मीर' के vision को साकार करने में मुख्य भूमिका निभाने के लिए

आपको हार्दिक बधाई देता हूं। इस वर्ष आतंकवादियों की संख्या में कमी, G20, तिरंगा यात्रा, Air Show और Shri Amar Ji Yatra जैसे mega कार्यक्रमों की सफल मेज़बानी, ये सभी जम्मू-कश्मीर पुलिस के अधिकारियों और जवानों द्वारा अन्य बलों के साथ तालमेल में किए गए अथक प्रयासों का नतीजा है।

प्रगति के बावजूद, मैं आप सभी को याद दिला दूं कि आराम के लिए कोई जगह नहीं है। हम अभी भी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। आतंकवाद कम हुआ है लेकिन पूरी तरह ख़त्म नहीं हुआ है। हम चोकसी कम करने का जोखिम नहीं उठा सकते। दुश्मन शांति भंग करने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रहा है और अपनाता रहेगा। हमें ऐसे किसी भी कदम को जड़ें जमाने से पहले खतम करना होगा।'

याद रखें हम पहले से ही Artificial Intelligence युद्ध के युग में हैं और भविषय में यह खतरा और सख्त होने वाला है। इसलिए हमें शांति बनाए रखने के साथ-साथ आतंकवाद विरोधी प्रयासों के traditional तरीकों और प्रथाओं में सुधार करना जारी रखना होगा, हमें technology और Artificial Intelligence समर्थित पुलिसिंग में अपने हुनर को सुधारने की जरूरत है।

जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, राष्ट्र में शांति और स्थिरता तथा local communities की सुरक्षा और उनके भय-मुक्त जीवन के प्रति zero tolerance होनी चाहिए, हमें शांतिप्रिय नागरिकों के लिए वास्तविक सहानुभूति दिखानी होगी।

कल तक चुनौती आतंकी eco-system को खत्म करने की थी जिसमें महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की है, और अब नई चुनौती इसे किसी भी रूप में जड़ें जमाने या फिर से उभरने नहीं देने की है। हम drug के खतरे और narco-terrorism की चुनौती का सामना कर रहे हैं। यह सुरक्षा के लिए ख़तरा होने के साथ-साथ एक सामाजिक बुराई भी है। इसे जड़ से उखाड़ने के लिए हमें अथक प्रयास करने की जरूरत है। जम्मू-कश्मीर पुलिस की समाज के प्रति यह ज़िम्मेदारी है कि हमारी आने वाली पीढ़ियों को इस खतरे से मुक्त रखा जाए। धार्मिक नेताओं, समुदाय के बुजुर्गों, local elected representatives और civil administration, village-block-district level स्तर के अधिकारियों को साथ लेकर, मुझे आशा है कि हमारे सहयोगी प्रयास से एक ऐसा वातावरण सुनिश्चित करेंगे जहां हमारी युवा पीढ़ी का समृद्ध भविष्य हो।

हमें peaceful वातावरण सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से तैयार रहने की आवश्यकता है ताकि निवेश हो सके, युवा पुरुष और महिलाएं धन और रोजगार पैदा करने के लिए कार्य स्थापित कर सकें, नए enterprises स्थापित किए जाएं जो सपनों को पूरा करें और innovation को बढ़ावा दें और एक ऐसा वातावरण जहां सामान्य युवा पुरुष और महिलाएं transparent government और अपने मतदाताओं की भलाई के लिए प्रतिबद्ध हों, मतदाताओं के रूप में मतदान करने के लिए स्वतंत्र महसूस करें और अलगाववादियों और आतंकवादियों के माध्यम से प्रयोग किए जाने

वाले हथकंडों से डरे बगैर उम्मीदवारों के रूप में सत्ता में आने के लिए एक-दूसरे के साथ compete करें।

जैसे ही हम नए साल में कदम रख रहे हैं, हम जम्मू-कश्मीर के लोगों की सुरक्षा और हमारे संविधान में निहित मूल्यों को बनाए रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं।

आपको और आपके परिवारों को सुरक्षा, समृद्धि और सामूहिक सफलता वाले वर्ष की शुभकामनाएं।

जय हिन्द

रश्मि रंजन स्वाइं, (भा.पु.से.)
पुलिस महानिदेशक, जम्मू-कश्मीर